देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 46 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...अपराध के खिलाफ लड़ाई में मदद

पेज थ्री

देहरादून, बृहस्पतिवार, 19 मई 2022

मौसम अधिकतम 37.0° न्यूनतम 25.0° | 42243.40 | 2 | 90 लाख लोगों की प्रदूषण से मौत | 7 | स्वदेश लौटे कप्तान केन विलियमसन

पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और मैदानों में अंधड़

संवाददाता

देहरादून। अगर चारधाम यात्रा के लिए जा रहे हैं तो अपने पास छाता या बरसाती का इंतजाम कर लें, क्योंकि मौसम विभाग ने बुधवार को चारधाम रूट सहित पर्वतीय इलाकों में गरज के साथ बौछार होने की संभावना जताई थी जोकि सच साबित हुई। वहीं मैदानी इलाकों में अंधड़ चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अलर्ट के बीच बुधवार को सुबह साढ़े दस बजे देहरादून में घने बादल छा गए और गर्जना के साथ तेज आंधी चलने लगी। जिसके बाद बारिश शुरू हो गई। हालांकि बारिश के बाद धूप खिल गई। पछवा दून में भी बारिश शुरू हो गई। मसूरी में घने बादल छाए हुए हैं, बारिश की संभावना बनी हुई है। हरिद्वार और ऋषिकेश में भी आंधी के साथ तेज बारिश हुई। टिहरी में बादल छाए है। वहीं रुड़की में धूप खिली है।

कई जगह पेड़ टूटने से विद्युत आपूर्ति ठप: कोटद्वार क्षेत्र में तेज हवाओं वह मूसलाधार बारिश के कारण कई जगह पेड़ टूटने से विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। बारिश के दौरान कोटद्वार से दुगड्डा

अल्मोड़ा में भारी बारिश से बहा देघाट-बूंगीधार मार्ग व खेत बहे

21 अप्रैल तक बदला रह सकता है मौसम का मिजाज

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार प्रदेश में 21 अप्रैल तक मौसम का मिजाज बदला रह सकता है। ऐसे में उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। मैदानी इलाकों में अंधड़ के साथ बौछारों की आशंका है।

अतिवृष्टि से देघाट क्षेत्र में खासा नुकसान

अल्मोड़ा। मूसलाधार बारिश ने देघाट क्षेत्र में खासा नुकसान पहुंचाया। अतिवृष्टि से देघाट-बूंगीधार मोटर मार्ग का बड़ा हिस्सा बह गया। बुधवार को अतिवृष्टि से देघा-बूंगीधार मोटरमार्ग पर सुरमोली के पास अरमोली गधेरे में उफना गया। अरमोली गधेरे में इतना तेज पानी आया कि देघाट बूगीधार मोटरमार्ग का बड़ा हिस्सा बह गया। मोटरमार्ग पर बने तीन स्थानों पर पुलिया भी बह गयी जबकी बड़े हिस्से में किसानों के खेत बर्बाद हो गए।

की ओर जा रहे हेड कांस्टेबल रघुनाथ सिंह की बाइक पर मलबा गिर गया। जिसमें रघुनाथ सिंह को चोट आई है। घायल रघुनाथ सिंह को उपचार के लिए कोटद्वार के बेस चिकित्सालय में लाया गया है। इधर बारिश हल्की होने के बाद विद्युत विभाग ने विद्युत लाइनों की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया है।

ताजा पश्चिमी विक्षोभ ने राज्य में दी दस्तक: सोमवार को ताजा पश्चिमी विक्षोभ ने राज्य में दस्तक दी। इससे दिनभर उमस के बाद शाम को अंधड़ के साथ मैदानी इलाकों में झमाझम बारिश हुई। देहरादून समेत अन्य मैदानी जिलों में 60 से 70 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चले अंधड़ में कई जगह पेड़ और विद्युत पोल गिर गए। इससे काफी नुकसान होने की सूचना है।

अंधड़-बारिश का कहर, कुमाऊं में चार की मौत: रात अंधड़ व बारिश ने जगह-जगह कहर बरपाया। कुमाऊं में कालाढूंगी, टांडा जंगल, बाजपुर व गदरपुर में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं अलग-अलग जगहों पर 10 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। धारचूला के व्यासनगर खोतिला में भू-कटाव से एक मकान हवा में झूल गया और आधा दर्जन मकान खतरे की जद में आ गए।

नदियों का जलप्रवाह बढ़ा, बिजली उत्पादन में वृद्धि

उत्तराखंड में बिजली संकट के बीच उत्पादन बढने से कुछ राहत मिलती दिख रही है। पहाड़ों में बारिश के कारण नदियों में जलप्रवाह बढने से उत्तराखंड के जल विद्युत गृहों में उत्पादन पटरी पर आने लगा है। कटौती कम होने के साथ ही ऊर्जा निगम पर बाजार से महंगी बिजली खरीद का बोझ भी कुछ कम हुआ है। पिछले एक सप्ताह में जल विद्युत परियोजनाओं से उत्पादन में करीब 200 मेगावाट की वृद्धि हुई है। पिछले एक माह में प्रदेश में बिजली की खपत में भारी इजाफा हुआ है। जबकि, उपलब्धता मांग के अनुरूप नहीं हो पा रही है। ऐसे में बाजार से बिजली खरीद और कटौती की जा रही थी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने दिया इस्तीफा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के कारण का निजी बताया है। बुधवार को उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया है। इससे पहले दिल्ली के एलजी नजीब जंग थे। फिलहाल अगला एजली दिल्ली का कौन होगा इस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

हार्दिक पटेल ने पार्टी और पद से इस्तीफा दे दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अहमदाबाद। तमाम अटकलों के बीच गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने पार्टी और पद से इस्तीफा दे दिया। हार्दिक पटेल काफी वक्त से कांग्रेस छोड़ने के संकेत दे रहे थे। हार्दिक पटेल की राज्य नेतृत्व से नाराजगी किसी से छिपी नहीं थी। वह बीते कई रोज से खुलकर बयानबाजी कर रहे थे।

मानसून से पहले केंद्र सरकार हुई सक्रिय

गृह सचिव ने सभी राज्यों के राहत आयुक्तों के साथ की समीक्षा बैठक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। देश में मानसून कई राज्यों में पहुंच चुका है। कई राज्यों में इस बार भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। इस बीच इसके मद्देनजर केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने आज सभी राज्यों के राहत आयुक्तों की वार्षिक समीक्षा बैठक की है। इस बैठक का उदेश्य केवल यह था कि आने वाले दिनों में केंद्र मानसून के मुद्दों पर कैसे राज्यों की मदद कर सकता है। दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई बैठक में पिछली आपदाओं से सीखे गए सबक पर भी चर्चा की गई।

दिल्ली में भी बारिश का अनुमान

राष्ट्रीय राजधानी में भी बुधवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की बारिश का अनुमान है और अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम

ओडिशा में जल्द दस्तक देगा मानसून

मौसम विशेषज्ञों की मानें तो इस बार ओडिशा में मानसून जल्दी दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग के अनुसार केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत सामान्य से पहले हो सकती है। इस बीच मानसून अंडमान के ऊपर पहुंच गया है और जल्द आगे बढ़ने की संभावना है। वहीं इस साल, केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत 27 मई को होने की संभावना है। केरल के तट से टकराने के बाद मानसून को ओडिशा पहुंचने में आमतौर पर 10 से 12 दिन लगते हैं।

पूर्वानुमानकर्ताओं ने कहा कि अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में वृद्धि और 45 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। बता दें कि दिल्ली के बेस स्टेशन सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

गौरतलब है कि दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो इस साल अब तक का सबसे अधिक तापमान है।

वहीं दूसरी ओर असम और कर्नाटक में पहले ही तेज बारिश हो रही है। असम में तो हालात बाढ़ जैसे हो गए हैं। वहां 50000 से ज्यादा लोग इससे प्रभावित हुए हैं। से लोग काफी परेशानी का सामना कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन का असर साफ दिखने लगा है। इस साल गर्मी अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, आने वाले समय में झुलसा देने वाली गर्मी भरे दिन और बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मारा छापा

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को राजधानी देहरादून स्थित आरटीओ कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। सुबह करीब दस बजे मुख्यमंत्री के अचानक आरटीओ पहुंचने से हड़कंप मच गया।

बेहद कम संख्या में पहुंचे थे अधिकारी और कर्मचारी: मुख्यमंत्री के छापे के दौरान अधिकारी और कर्मचारी बेहद कम संख्या में पहुंचे थे। इस दौरान 80 प्रतिशत कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इससे नाराज मुख्यमंत्री ने कार्रवाई की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आरटीओ दिनेश पठोई को सस्पेंड कर दिया।

औचक निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पाया कि आरटीओ कार्यालय में आम जनता अपने वाहनों से संबंधित कार्यों के लिए सुबह नौ बजे से मौजूद थी, लेकिन कार्यालय में कुछ कर्मचारियों को छोड़कर आरटीओ के मुख्य अधिकारी दिनेश चंद्र पिठोई मौजूद नहीं थे। उनके साथ ही काफी

निरीक्षण

■आरटीओ दिनेश पठोई को किया सस्पेंड

कर्मचारी सुबह के 10:30 बजे होने के बावजूद मौजूद नहीं थे ।

कार्यालय के कर्मचारियों और अधिकारी की लापरवाही देखकर मुख्यमंत्री ने आरटीओ दिनेश चन्द्र पठोई को निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। परिवहन सचिव अरविंद सिंह ह्यांकी को निर्देश देते हुए कहा कि जितने भी कर्मचारी समय होने के बावजूद उपस्थित नहीं हैं। उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

इस मामले में सचिव परिवहन अरविंद सिंह ह्यांकी एवं परिवहन आयुक्त रणबीर सिंह चौहान के साथ-साथ सचिव मुख्यमंत्री मीनाक्षी सुंदरम को मुख्यमंत्री धामी ने सचिवालय में तलब किया है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Gadoli Media Ventures
Contact:
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

शीर्ष प्रदूषित देशों में भारत और चीन का नाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दुनिया भर में दम तोड़ने वाले हर छह में से एक की जान प्रदूषण के कारण जा रही है। प्रदूषण के कारण एक साल में करीब 24 लाख भारतीयों ने दम तोड़ दिया जिसमें से 16.7 लाख लोगों ने केवल वायु प्रदूषण के कारण अपनी जान गंवाई। यह आंकड़ा दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे

प्रदूषण से एक साल में 24 लाख भारतीयों की हुई मौत

अधिक है। यह जानकारी लैंसेट के नए अध्ययन में दिया गया। वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों का आंकड़ा केवल भारत में 9.8 लाख है वहीं 6.1 लाख लोग घर में वायु प्रदूषण की चपेट में आ गए। दुनिया भर की बात करें तो 2019 में 90 लाख लोगों की मौत हुई। यह दुनिया में होने वाली हर छठी मौत के बराबर है।

लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रदूषण के कारण एक साल में 24 लाख लोगों की मौत होती है। ठंड के मौसम में प्रदूषण का आलम काफी खराब होता है। शोध ाकर्ताओं का कहना है कि प्रदूषण के कारण हो रहीं बीमारियां इस कदर जानलेवा होती हैं कि औसतन हर दिन 6,500 लोगों की मौतें हो रहीं हैं।